ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति

अलका श्रीमाली
शोधकर्त्री

प्रो.सुनीता मुर्डिया
शोध मार्गदर्शिका
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ(डीम्ड–टू–बी) विश्वविद्यालय, उदयुपर(राज.)

प्रस्तावना :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उद्देश्य देश में स्कूल तथा उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त करना है। इसका उद्देश्य सभी छात्रों को उनके निवास की परवाह किए बिना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली प्रदान करना है, जिसमें कमजोर, वंचित और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकारी स्कूलों और संस्थानों में सस्ती तथा प्रतिस्पर्धी तरीके से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उठाए गए कदमों में से एक 'निपुण भारत मिशन' हैं।

दिनांक 5 जुलाई 2021 को सरकार ने मूलभूत साक्षरता तथा संख्यात्मकता पर एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया, जिसे ''समझ तथा संख्यात्मकता के साथ पढ़ने में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत)'' कहा जाता है। राष्ट्रीय मिशन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए प्राथमिक साक्षरता तथा वर्ग 3 तक प्रत्येक बच्चे के लिए संख्यात्मकता में दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वाद–योग्य कार्यसूची निर्धारित करता है। मिशन को समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित मिशन के तत्वावधान में स्थापित किया गया है। निपुण भारत विभिन्न पहलुओं, अवधारणाओं तथा कौशल को शामिल करते हुए पढ़ाई के परिणामों एवं विकासात्मक लक्ष्यों के आधार पर बालवाटिका से शुरू होकर 9 वर्ष की आयु तक मूलभूत साक्षरता तथा संख्यात्मकता के लिए लक्ष्य निर्धारित करता है।

शिक्षा क्षेत्र में विकास एवं बच्चों को बुनियादी शिक्षा मजबूत करने हेतु कक्षा 3 से कक्षा 5 तक के छात्रों में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में निपुण भारत मिशन की शुरूआत 5 जुलाई 2021 को की। निपुण भारत मिशन (NIPUN Bharat Mission) का पूरा नाम National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy है। इस मिशन के अन्तर्गत सभी सरकारी और निजीस्कूलों में इस मिशन के अंतर्गत सहयोग दिया जाएगा ताकि बच्चों की बुनियादी शिक्षा मजबूत हो सके।

केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए निपुण भारत मिशन की शुरूआत की। इस मिशन में प्री स्कूल के विद्यार्थियों की शिक्षा की नींव को मजबूत बनाने के लिए सभी सरकारी और निजीस्कूलों में केन्द्र सरकार द्वारा सहयोग प्रदान किया जायेगा। मिशन का संचालन स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग द्वारा किया जाएगा।

निपुण भारत मिशन की शुरूआत देश में आयी नई शिक्षा नीति के बेहतर कार्यान्वयन के लिए हुआ है। निपुण भारत मिशन का उद्देश्य वर्तमान में कक्षा 3 में पढ़ने वाले बच्चों की शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए और उनका सम्पूर्ण मानसिक विकास करने के लिए आवश्यक है। समय की मांग के अनुसार उन्हें बुनियादी शिक्षा और उसके पाठ्यक्रमों में पारंगत बनाया जाए।

शोध परिकल्पना :

1. सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध परिसीमन :–

1. प्रस्तुत शोध कार्य ''निपुण भारत मिशन की क्रियान्विति'' राजस्थान राज्य के उदयपुर जिले तक सीमित रखा गया।
2. प्रस्तुत शोध हेतु उन्ही विद्यालयों का चयन किया गया जिनमें निपुण भारत मिशन संचालित हो रहा है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

3. प्रस्तुत शोध कार्य छात्रों में आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करने से सम्बन्धित ही है।

4. प्रस्तुत शोध में दत्त संकलन हेतु केवल कक्षा 5 के छात्रों को ही सम्मिलित किया गया।

पारिभाषिक शब्दावली –

(1) वस्तुस्थिति –वस्तुस्थिति के अन्तर्गत पूर्व प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन से बच्चों ने क्या, कैसे तथा कितना सीखा। सीखने के दौरान क्या समस्याएं आयी। प्रस्तुत शोध में वस्तुस्थिति से तात्पर्य है, इस अभियान की वर्तमान स्थिति क्या है, का पता लगाना।

(2) क्रियान्वयन–क्रियान्वयन से आशय निपुण भारत मिशन लागू करने से है। जो निर्धारित उद्देश्यानुसार क्रियान्वित हो।

(3) अभिधारक

प्रस्तुत शोध में अभिधारकों से तात्पर्य है प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं विद्यार्थी से है जो सतत् रूप से निपुण भारत मिशन से निरन्तर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

शोध का औचित्य–

यह शिक्षा सभी के चहुँमुखी विकास को अभिप्रेरित करने वाला मिशन है। इस मिशन के द्वारा प्री स्कूल के विद्यार्थियों के शिक्षा की नींव को मजबूत बनाया जाएगा और इसके लिए सभी सरकारी और निजी स्कूलों में इस मिशन के अंतर्गत सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस मिशन के अन्तर्गत कक्षा 3 में पढ़ रहे विद्यार्थियों में कक्षा के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में निपुण बनाने तथा पढ़ने–लिखने व अंक गणित हल करने की क्षमता विकसित होगी। बुनियादी शिक्षा मजबूत होने से छात्रों को आगे के पाठ्यक्रमों को समझने में सुविधा हो जाएगी।

(1) राष्ट्र की दृष्टि से –

निपुण भारत मिशन की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मजबुत राष्ट्र निर्माण का आधार है और साक्षरता व संख्यात्मक कौशल में मूलभूत शिक्षा इसका मुख्य घटक है। आने वाले वर्षों में यह मिशन हमारे स्कूली शिक्षा के दृष्टिकोण को बदल देगा जिससे 21 वीं सदी के भारत पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा। निपुण भारत मिशन न केवल हमारे छात्रों को उच्च कक्षाओं में बड़ी छलांग लगाने में मदद करेगा, बल्कि विश्व स्तर पर छात्रों को प्रतिस्पर्धी बनाने में भी प्रभाव छोड़ेगा।

(2) सामाजिक दृष्टि से –

निपुण भारत मिशन का सामाजिक कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में अशिक्षित वर्ग में साक्षरता का महत्व अधिक है। शैक्षिक पहलुओं के माध्यम से वंचित व्यक्तियों को साक्षर कर सशक्त बनाने और उत्थान करने के लिए यह मिशन बनाया गया।

(3) अनुसंधानकर्ता की दृष्टि से –

निपुण भारत मिशन पर बहुत न्यून शोधकार्य हुआ है जबकि यह विषय सामाजिक व राष्ट्रीय दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। अतः निपुण भारत मिशन को नई दिशा देने की दृष्टि से उक्त शोध उपयोगी सिद्ध होगा। प्रस्तुत शोध द्वारा निपुण भारत मिशन के प्रति अभिधारकों का अभिमत ज्ञात कर इस प्रणाली की सार्थकता का पता लगाया जाएगा। साथ ही वस्तुस्थिति व क्रियान्वयन की समस्याओं को ज्ञात कर इस प्रणाली की कमियॉ व कठिनाइयों का पता लगाया जाएगा ताकि उनका समाधान कर सफलता सुनिश्चित की जा सके।

(4) अभिधारकों की दृष्टि से –

1. प्रधानाध्यापक –

प्रस्तुत शोध निपुण भारत मिशन विद्यालयों में लागू करने पर प्रधानाध्यापकों के अभिमतों को शिक्षाविदों तक व अभिधारकों के अभिमतों को प्रधानाध्यापक तक पहुॅचा कर निपुण भारत मिशन सफल बनाना है।

2. शिक्षक –

निपुण भारत मिशन में तीन कार्य किए जाते है, पहला–निरक्षर ने क्या सीखा है जो कि उन्हे सीखना था? दूसरा–उनके सीखने की प्रगति क्या है? और तीसरा–उनकी उपलब्धि क्या है?

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

इस शोध द्वारा शिक्षकों के अभिमत प्राप्त कर उनके सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाया जाएगा। अतः इस शोध द्वारा शिक्षकों को नवीन दिशा प्राप्त होगी।

3. विद्यार्थी –

निपुण भारत मिशन के महत्व को छात्र समझा और स्वयं सीखने हेतु प्रेरित हुआ।

न्यादर्श

किसी भी शोध में न्यादर्श एक प्रतिनिधि समूह होता है जिसके निष्कर्ष किसी बड़े समूह पर लागू किये जा सकते हैं। न्यादर्श किसी भी शोधकर्ता की आधारशिला होती है। यह आधारशिला जितनी सुदृढ़ होगी शोध के परिणाम उतने ही विश्वसनीय एवं परिशुद्ध होंगे।

प्रस्तुत शोध में सौदेश्य विधि द्वारा कुल 20 विद्यालयों का चयन किया गया, जिनमें निपुण भारत मिशन संचालित होता है। इस शोध में उन 20 विद्यालयों में से 1–1 प्रधानाध्यापक, 2–2 शिक्षक तथा 15–15 विद्यार्थियों का चयन किया गया। अतः इस प्रकार कुल 360 न्यादर्श का चयन किया गया, जो इस प्रकार है–

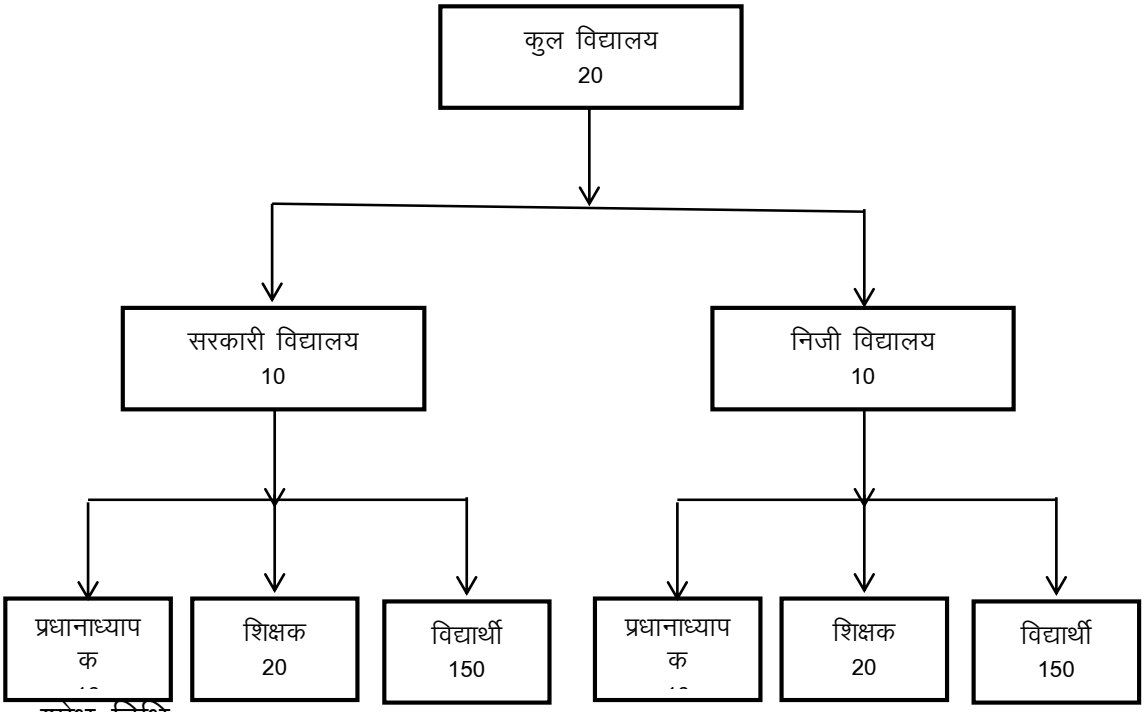

शोध विधि–

प्रस्तुत शोध में मिशन की वस्तुस्थिति, क्रियान्वयन में आने वाली समस्या एवं अभिमत ज्ञात करने, तत्कालीन परिस्थिति तथा क्रियान्वयन की आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए सर्वेक्षण विधि सर्वथा उपयुक्त है। अतः इस शोध हेतु सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया।

शोध उपकरण–

प्रस्तुत शोध में निम्न स्वनिर्मित उपकरणों का उपयोग किया गया जो इस प्रकार है–

1. प्रधानाध्यापकों हेतु – निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का पता लगाने हेतु प्रश्नावली।
2. अध्यापकों हेतु – निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थितिं हेतु प्रश्नावली।
3. छात्रों हेतु – संख्यात्मक एवं दक्षता में आए परिवर्तन का पता लगाने हेतु अभिमतावली।

सांख्यिकीय विधि –

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा निम्न सांख्यिकी का उपयोग किया गया।

1. प्रतिशत
2. मध्यमान
3. मानक विचलन

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

4. टी–परीक्षण

4.6.2 सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का पता लगाना।

सारणी संख्या 4.2

सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र.सं.	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन
1.	भवन व कक्षाएं	**92.59**	**14.72**
2.	पुस्तकालय व्यवस्था	**133.63**	**13.40**
3.	प्रयोगशाला व्यवस्था	**84.12**	**7.96**
4.	शौचालय एवं जल व्यवस्था	**124.52**	**14.85**
5.	खेल मैदान एवं सामग्री	**60.26**	**8.39**

आरेख संख्या–4.2 सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का मध्यमान एवं मानक विचलन

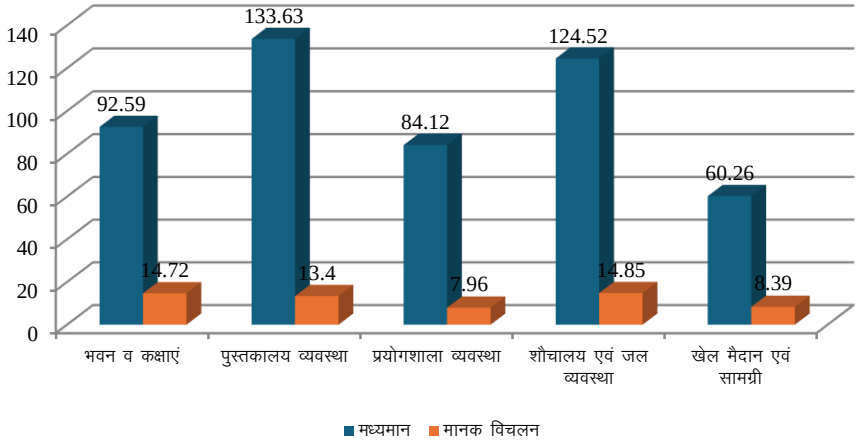

व्याख्या :

उपरोक्त सारणी एवं आरेख संख्या 4.2 के अनुसार सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की क्षेत्रानुसार निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति इस प्रकार पायी गयी है–

1. क्षेत्र संख्या–1 भवन व कक्षाए : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'भवन व कक्षाएं' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 92.59 एवं मानक विचलन 14.72 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के अनुपात में सुरक्षित विद्यालय भवन, सभी कक्षाओं में सुविधायुक्त फर्नीचर की व्यवस्था तथा सभी कक्षाओं से स्मार्ट कक्ष एवं डिजिटल बोर्ड से सुसज्जित है।

2. क्षेत्र संख्या–2 पुस्तकालय व्यवस्था : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'पुस्तकालय व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 133.63 एवं मानक विचलन 13.4 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए व्यवस्थित पुस्तकालय भवन उपलब्ध है तथा विद्यार्थियों के अनुपात में विषय–वस्तु से सम्बन्धित पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएं एवं अन्य पठन सामग्री उपलब्ध है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

3. क्षेत्र संख्या–3 प्रयोगशाला व्यवस्था : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'प्रयोगशाला व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 84.12 एवं मानक विचलन 7.96 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित एवं सुविधायुक्त प्रयोगशालाएं है तथा विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्यूटर लेब की व्यवस्था के साथ–साथ अन्य लेब में मानचित्रों एवं उपकरणों की व्यवस्था है।

4. क्षेत्र संख्या–4 शौचालय एवं जल व्यवस्था : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'शौचालय एवं जल व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 124.52 एवं मानक विचलन 14.85 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ जल एवं सुरक्षित शौचालय की व्वस्था है।

5. खेल मैदान एवं सामग्री : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के पांचवें क्षेत्र 'खेल मैदान एवं सामग्री' का मध्यमान 60.26 एवं मानक विचलन 8.39 प्राप्त हुआ है। सारणी यह दर्शाती है कि क्षेत्र 'खैल मैदान एवं सामग्री' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति संतोषप्रद पायी गयी है। इससे पता चलता है कि विद्यार्थी वर्तमान समाज में व्याप्त कुरीतियों को चिह्नित कर उनके उन्मूलन के लिए सुझाव देता तथा प्राकृति आपदाओं के कारण, प्रभाव और बचाव के उपायों पर चर्चा करते हैं।

4.6.3 निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन के निर्धारित वस्तु स्थिति की स्थिति।

सारणी संख्या 4.3

निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का मध्यमान एवं मानक विचलन

क्र.सं.	क्षेत्र	मध्यमान	मानक विचलन
1.	भवन व कक्षाएं	81.05	15.66
2.	पुस्तकालय व्यवस्था	128.58	15.04
3.	प्रयोगशाला व्यवस्था	81.25	11.66
4.	शौचालय एवं जल व्यवस्था	119.62	18.28
5.	खेल मैदान एवं सामग्री	58.19	10.68

आरेख संख्या 4.3 गैर सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का मध्यमान एवं मानक विचलन

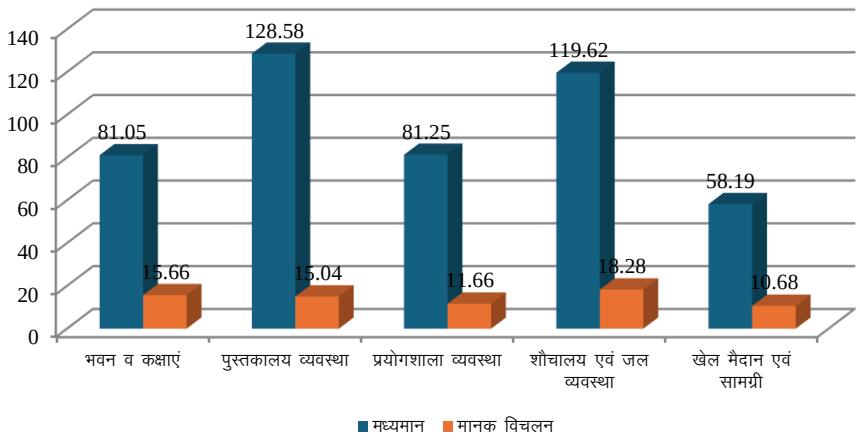

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

व्याख्या :

उपरोक्त सारणी एवं आरेख संख्या 4.3 के अनुसार निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की क्षेत्रानुसार निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति इस प्रकार पायी गयी है–

1. क्षेत्र संख्या–1 भवन व कक्षाए : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'भवन व कक्षाएं' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 81.05 एवं मानक विचलन 15.66 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के अनुपात में सुरक्षित विद्यालय भवन, सभी कक्षाओं में सुविधायुक्त फर्नीचर की व्यवस्था तथा सभी कक्षाओं से स्मार्ट कक्ष एवं डिजिटल बोर्ड से सुसज्जित है।

2. क्षेत्र संख्या–2 पुस्तकालय व्यवस्था : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'पुस्तकालय व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 128.58 एवं मानक विचलन 15.04 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए व्यवस्थित पुस्तकालय भवन उपलब्ध है तथा विद्यार्थियों के अनुपात में विषय–वस्तु से सम्बन्धित पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएं एवं अन्य पठन सामग्री उपलब्ध है।

3. क्षेत्र संख्या–3 प्रयोगशाला व्यवस्था : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'प्रयोगशाला व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 81.25 एवं मानक विचलन 11.66 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित एवं सुविधायुक्त प्रयोगशालाएं है तथा विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्यूटर लेब की व्यवस्था के साथ–साथ अन्य लेब में मानचित्रों एवं उपकरणों की व्यवस्था है।

4. क्षेत्र संख्या–4 शौचालय एवं जल व्यवस्था : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'शौचालय एवं जल व्यवस्था' के सम्बन्ध में प्राप्त दत्तों का संकलन एवं विश्लेषण उपरान्त मध्यमान 119.62 एवं मानक विचलन 18.28 प्राप्त हुआ। इससे ज्ञात होता है कि विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ जल एवं सुरक्षित शौचालय की व्वस्था है।

5. खेल मैदान एवं सामग्री : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति के पांचवें क्षेत्र 'मार्गदर्शन एवं सहयोग' का मध्यमान 58.19 एवं मानक विचलन 10.68 प्राप्त हुआ है। सारणी यह दर्शाती है कि 'खेल मैदान एवं सामग्री' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन के भौतिक संसाधन पाये गये है।

4.6.4 सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

सारणी संख्या 4.4

सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का तुलना

क्र. सं.	क्षेत्र	सरकारी		निजी		t-मूल्य
		मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन	
1.	भवन व कक्षाएं	92.59	14.72	81.05	15.66	2.95
2.	पुस्तकालय व्यवस्था	133.63	13.40	128.58	15.04	1.38
3.	प्रयोगशाला व्यवस्था	84.12	7.96	81.25	11.66	1.14
4.	शौचालय एवं जल व्यवस्था	124.52	14.85	119.62	18.28	1.16
5.	खेल मैदान एवं सामग्री	60.26	8.39	58.19	10.68	0.85

स्वतंत्रता अंश (df) = 398 .01 स्तर पर सारणीमान 2.60

.05 स्तर पर सारणीमान

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

आरेख संख्या 4.4 सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति का तुलना

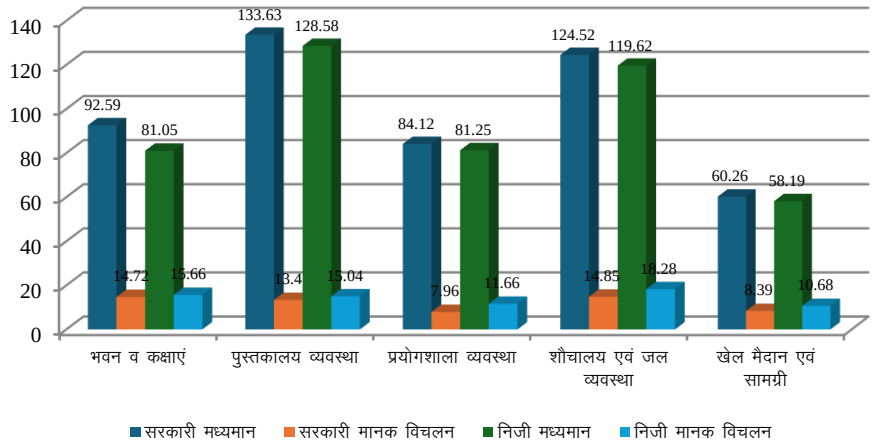

व्याख्या :

उपरोक्त सारणी एवं आरेख संख्या 4.4 के अनुसार सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति क्षेत्रानुसार इस प्रकार पायी गयी है–

(1) भावन एवं कक्षाएं : प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के प्रथम क्षेत्र 'भवन एवं कक्षाएं' का मध्यमान क्रमशः 92.59, 81.05 एवं मानक विचलन क्रमशः 14.72, 15.66 प्राप्त हुआ है। जिसका टी–मान 2.95 प्राप्त हुआ तथा सारणीमान .01 स्तर पर 2.60 से अधिक पाया गया है। सारणी यह दर्शाती है कि की सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'भवन एवं कक्षाएं' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की भौतिक स्थिति निजी विद्यालय से सरकारी विद्यालय की स्थिति अच्छी पायी गयी है।

(2) पुस्तकालय व्यवस्था : प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन में सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के द्वितीय क्षेत्र 'पुस्तकालय व्यवस्था' का मध्यमान क्रमशः 133.63, 128.58 एवं मानक विचलन क्रमशः 13.40, 15.04 प्राप्त हुआ है। जिसका टी–मान 1.38 प्राप्त हुआ तथा सारणीमान .01 स्तर पर 2.60 से कम पाया गया है। सारणी यह दर्शाती है कि की सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के 'पुस्तकालय व्यवस्था' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति निजी विद्यालय से सरकारी विद्यालय की स्थिति अधिक अच्छी पायी गयी है।

(3) प्रयोगशाला व्यवस्था : प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की के सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के तृतीय क्षेत्र 'प्रयोगशाला व्यवस्था' का मध्यमान क्रमशः 84.12, 81.25 एवं मानक विचलन क्रमशः 7.96, 11.66 प्राप्त हुआ है। जिसका टी–मान 1.14 प्राप्त हुआ तथा सारणीमान .01 स्तर पर 2.60 से कम पाया गया है। सारणी यह दर्शाती है कि की सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के क्षेत्र 'प्रयोगशाला व्यवस्था' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति निजी विद्यालय से सरकारी विद्यालय की स्थिति अधिक अच्छी पायी गयी है।

(4) शौचालय एवं जल व्यवस्था : प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन के सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तुस्थिति के चतुर्थ क्षेत्र 'शौचालय एवं जल व्यवस्था' का मध्यमान क्रमशः 124.52, 119.62 एवं मानक विचलन क्रमशः 14.85, 18.28 प्राप्त हुआ है। जिसका टी–मान 1.16 प्राप्त हुआ तथा सारणीमान .01 स्तर पर 2.60 से कम पाया गया है। सारणी यह दर्शाती है कि की सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तुस्थिति के क्षेत्र 'शौचालय एवं जल व्यवस्था' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति निजी विद्यालय से सरकारी विद्यालय की स्थिति अधिक अच्छी पायी गयी है।

(5) खेल मैदान एवं सामग्री : प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन के सरकारी विद्यालय एवं निजी विद्यालयों की वस्तु स्थिति के पांचवें क्षेत्र 'खेल मैदान एवं सामग्री' का मध्यमान क्रमशः 60.26, 58.19 एवं मानक विचलन क्रमशः 8.39, 10.68 प्राप्त हुआ है। जिसका टी–मान 0.85 प्राप्त हुआ तथा

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

सारणीमान .01 स्तर पर 2.60 से कम पाया गया है। सारणी यह दर्शाती है कि क्षेत्र 'खेल मैदान एवं सामग्री' क्षेत्र के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति निजी विद्यालय की स्थिति सरकारी विद्यालय की स्थिति से अधिक अच्छी पायी गयी है।

अतः उपर्युक्त क्षेत्रों के विश्लेषण के आधार पर सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तु स्थिति में सार्थक अन्तर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या 1 निरस्त की जाती है।

उद्देश्यानुसार शोध निष्कर्ष :–

(1) उद्देश्य–1 : विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का पता लगाना : विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का सारणी यह दर्शाती है कि क्षेत्र भवन व कक्षाओं सुविधायुक्त फर्नीचर तथा स्मार्ट कक्ष एवं डिजिटल बोर्ड से सुसज्जित है। पुस्तकालय व्यवस्था क्षेत्र में पुस्तकालय भवन वर्गवार सुसज्जित एवं सुविधायुक, सम्बन्धि पुस्तके, पत्र–पत्रिकाएं एवं अन्य पाठन सामग्री उपलब्ध है। प्रयोगशाला व्यवस्था क्षेत्र में प्रयोगशालाएं सुसज्जित एवं सुविधायुक्त है। शौचालय एवं जल व्यवस्था के क्षेत्र में बालक–बालिकाओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय में पृथक–पृथम व्यवस्था है। खेल मैदान एवं उससे सम्बन्धित सामग्री आदि की व्यवस्था सुचारू रूप से पायी गयी।

(2) उद्देश्य–2 : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का पता लगाना : सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति की सारणी यह दर्शाती है कि सभी क्षेत्र भवन व कक्षाए क्षेत्र में विद्यार्थियों के अनुपात में सुरक्षित विद्यालय भवन एवं कक्षाकक्ष उपलब्ध है। पुस्तकालय व्यवस्था क्षेत्र में विद्यार्थियों के अनुपात में विषय–वस्तु से सम्बन्धित पुस्तके, पत्र–पकिाएं उपलब्ध है। प्रयोगशाला व्यवस्था क्षेत्र में विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्यूटर लेब आदि की व्यवस्थाएं है। शौचालय एवं जल व्यवस्था के क्षेत्र में शौचालय एवंज ल व्यवस्थरा पर्याप्त है एवं खेल मैदान एवं सामग्री के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति सुचारू रूप से पायी गयी।

(3) उद्देश्य–3 : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का पता लगाना : निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति की सारणी यह दर्शाती है कि सभी क्षेत्र भवन व कक्षाए के क्षेत्र में विद्यार्थियों के अनुपात में सुरक्षित विद्यालय भवन, सभी कक्षाओं में सुविधायुक्त फर्नीचर की व्यवस्था तथा सभी कक्षाओं से स्मार्ट कक्ष एवं डिजिटल बोर्ड से सुसज्जित है। पुस्तकालय व्यवस्था के क्षेत्र में विद्यार्थियों के अनुपात में विषय–वस्तु से सम्बन्धित पुस्तकें, पत्र–पत्रिकाएं एवं अन्य पठन सामग्री उपलब्ध है। प्रयोगशाला व्यवस्था के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित एवं सुविधायुक्त प्रयोगशालाएं है। शौचालय एवं जल व्यवस्था के क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ जल एवं सुरक्षित शौचालय की व्वस्था है एवं खेल मैदान एवं सामग्री के क्षेत्र मे आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति सुचारू रूप से पायी गयी।

(4) उद्देश्य–4 : सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना : सरकारी एवं निजीविद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति की सारणी यह दर्शाती है कि क्षेत्र सभी क्षेत्र भवन व कक्षाए, पुस्तकालय व्यवस्था, प्रयोगशाला व्यवस्था, शौचालय एवं जल व्यवस्था एवं खेल मैदान एवं सामग्री के आधार निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति सुचारू रूप से पायी गयी।

क्षेत्रों के विश्लेषण के आधार पर सरकारी एवं निजी विद्यालयों में प्राथमिक स्तर पर संचालित निपुण भारत मिशन की वस्तुस्थिति में सार्थक अन्तर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या 1 निरस्त की जाती है।

शैक्षिक निहितार्थ :

1. मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से – प्रस्तुत शोध कार्य मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इस शोध के माध्यम से पता लगाया जा सकता है कि प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, छात्रों की निपुण भारत मिशन के प्रति कितनी रूचि है, वे स्वयं रूचि ले रहे हैं या अनिवार्यता के कारण स्वीकार कर रहे हैं। इस कार्य को क्रियान्वित करने में अच्छा अनुभव महसूस कर रहे हैं।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

2. व्यावसायिक दृष्टिकोण से –

प्रत्येक बालक का जीवन सुखी एवं खुशहाल बनाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वांगीण बनाया जाए तथा उसे स्वरोजगारोन्मुखी बनाने हेतु बालक को स्वयं की क्षमताओं का ज्ञान कराना आवश्यक है। निपुण भारत मिशन द्वारा प्राप्त संख्यात्मक शिक्षा के माध्यम से बालक तकनीकी का प्रयोग अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं।

3. अभिभावकों के लिए

शोधकर्त्री द्वारा किये गये शोध कार्य के उपयोगिता अभिभावकों के लिए भी है। इस शोध कार्य से प्राप्त परिणामों के आधार पर अभिभावक निपुण भारत मिशन द्वारा अपने बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि पर होने वाले प्रभावों को जान सकता है तथा यह जान सकते है कि उनके बच्चों की यथोचित शैक्षिक प्रगति हो रही हैं।

4. अनुसंधान के लिए

प्रस्तुत शोध कार्य अनुसंधान की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। शोधकर्त्री द्वारा निर्धारित किये गये उद्देश्यों के अनुरूप प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर आने वाले शोधार्थी इसी क्षेत्र में अन्य चरों को लेते हुए अपने अनुसंधान कार्य को और स्पष्ट बना सकते हैं।

5. शिक्षकों के लिए

शिक्षक भी सरकार द्वारा चलायी गयी इस योजना के महत्व को समझे। स्वयं भी नवीन तकनीकी से जुड़े व विद्यार्थियों को भी तकनीकी से जोड़े व उनके उपयोग सम्बन्धी जानकारी दे जिससे विद्यार्थी संख्यात्मक शिक्षा पर अपना अनमोल समय देकर शिक्षा के क्षेत्र में उसका उपयोग करे। शिक्षक की इस योजना के प्रति सकारात्मक सोच रखे व सुचारू रूप से इस योजना का क्रियान्वयन करें।

6. शैक्षिक दृष्टि में

प्रस्तुत शोध के माध्यम से निपुण भारत मिशन योजना में आने वाली समस्याओं का पता लगेगा तथा इस कार्य के प्रति दृष्टिकोण की जानकारी प्राप्त होगी। इसमें समस्याओं को दूर करने के सुझावों के माध्यम से निपुण भारत मिशनं योजना को प्रभावी बनाया जा सकता है।

7. प्राथमिक विद्यालयों के लिए

प्राथमिक विद्यालय के माध्यम से निपुण भारत मिशन योजना में आने वाली समस्याओं का पता लगेगा तथा इस कार्य के प्रति दृष्टिकोण की जानकारी प्राप्त होगी। इसमें समस्याओं को दूर करने के सुझावों के माध्यम से निपुण भारत मिशन योजना को प्रभावी बनाया जा सकता है।

8. विद्यार्थी के लिए

विद्यार्थी की इस योजना के महत्व को समझे व नवीन सोच विकसित कर अपने आपकों तकनीकी से जोड़े। समय के महत्व को समझें व सरकार द्वारा प्रोत्साहन स्वरूप योजना के उद्देश्य को समझे व उसे पूरा करने में सहयोग करें।

संदर्भ सूची :

1. कपिल, एच.के. (2006), ''साँख्यिकी के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. ढौंडियाल, एस.एन. एवं फाटक, अरविन्द बी.(1972), शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र, जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. भटनागर, आर.पी. एवं भटनागर, मिनाक्षी(2008), शिक्षा अनुसंधान, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो।
4. सुखिया एस. पी. मेहरोत्रा, आर. एन. (1970), ''शैक्षिक अनुसधान के मूल तत्व'' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
5. अग्निहोत्री, रविन्द्र (2006), आधुनिक भारतीय शिक्षा की समस्याएँ एवं समाधान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. कपिल, एच.के. (2002), अनुसंधान विधियाँ, अगरा राखी प्रकाशन
7. बेस्ट, जे. डब्ल्यू (1986), रिसर्च इन एज्युकेशन प्रिंटिंग हॉल ऑफ इण्डिया, प्रा. लि. नई दिल्ली।
8- MoE 2021. NIPUN Bharat Mission Implementation Guidelines, Government of India
9- NCERT 2021. VIdya Pravesh Guidelines, New Delhi
10- MoE 2021. Guidelines for Parent Participation in Home-Based Learning during School Closure and Beyond, Government of India

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 7.789 Volume 13-Issue 03, (July-Sep 2025)

11- MHRD 2020. National Education Policy (NEP), New Delhi
12- NCERT 2019. Guidelines for Preschool Education, New Delhi
13 NIPUN BHARAT: National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy, Guidelines for Implementation

Research Survey :

1. Buch, M.B. : "A Survey of Research in Education CASE", M.S. University, Baroda
2. Buch, M.B. : "Second Survey of Research in Education", Baroda, Society for Educational Research & Development.
3. Buch, M.B. : "Third Survey of Research in Education", Baroda, Society for Educational Research & Development.
4. Buch, M.B. : "Fourth Survey of Research in Education." Baroda, Society for Education Research & Development.
5. Buch, M.B. : "Fifth Survey of Research in Education", Baroda, Society for Education Research Development.

Webliography :

1- https://nipunbharat.education.gov.in
2- https://NIPUN_BharatStakeholders_RolesResponsibilities.pdf
3- https://prathmikshiksha_yojna_feburary2022